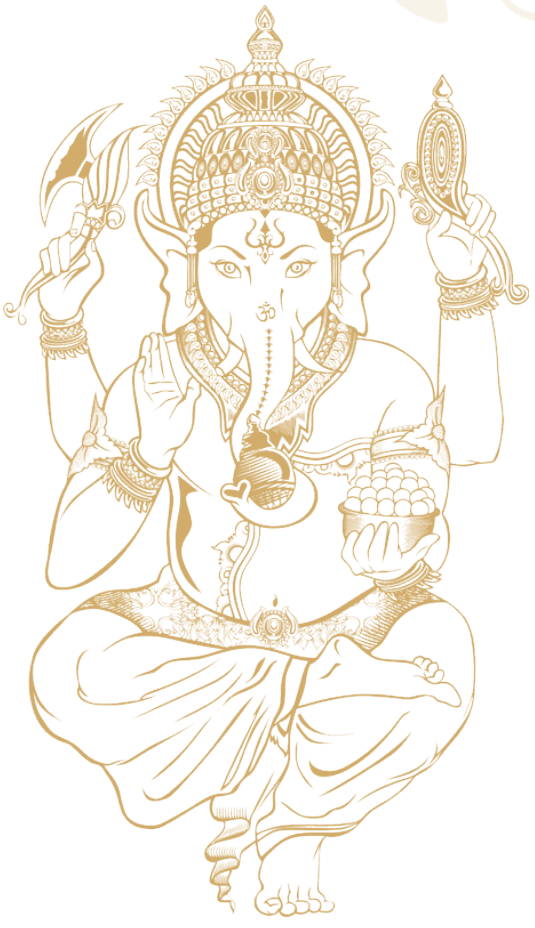

Mr.Aditya Sharma

Ms.Ayushee Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120253912

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/09/1998	जन्म तिथि	30/08/1998
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 18:15:00	जन्म समय	06:55:00 घंटे
घटी 30:27:54	जन्म समय(घटी)	02:12:13 घटी
India	देश	India
Hyderabad	स्थान	Jaipur
17:22:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:03:50	सूर्योदय	06:05:02
18:21:51	सूर्यास्त	18:49:13
23:50:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:10

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 2वर्ष 6मा 3दि		23:37:23	कुंभ	लग्न	सिंह	22:53:35	शनि 8वर्ष 1मा 27दि	
राहु		24:44:40	सिंह	सूर्य	सिंह	12:39:25	केतु	
16/03/2018		04:25:23	वृष	चंद्र	वृश्चि	10:56:26	27/10/2023	
16/03/2036		20:00:53	कर्क	मंगल	कर्क	12:06:13	27/10/2030	
राहु	26/11/2020	12:10:19	सिंह	बुध	कर्क	24:35:31	केतु	24/03/2024
गुरु	22/04/2023	29:49:46	कुंभ व	गुरु व	मीन	01:24:39	शुक्र	25/05/2025
शनि	26/02/2026	12:00:18	सिंह	शुक्र	कर्क	26:36:19	सूर्य	29/09/2025
बुध	14/09/2028	09:10:47	मेष व	शनि व	मेष	09:36:51	चन्द्र	01/05/2026
केतु	03/10/2029	07:32:04	सिंह व	राहु व	सिंह	07:36:32	मंगल	27/09/2026
शुक्र	03/10/2032	07:32:04	कुंभ व	केतु व	कुंभ	07:36:32	राहु	15/10/2027
सूर्य	27/08/2033	15:31:26	मक व	हर्ष व	मक	15:54:48	गुरु	20/09/2028
चन्द्र	26/02/2035	05:47:17	मक व	नेप व	मक	06:00:44	शनि	30/10/2029
मंगल	16/03/2036	11:39:04	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:30:46	बुध	27/10/2030

लग्न-चलित

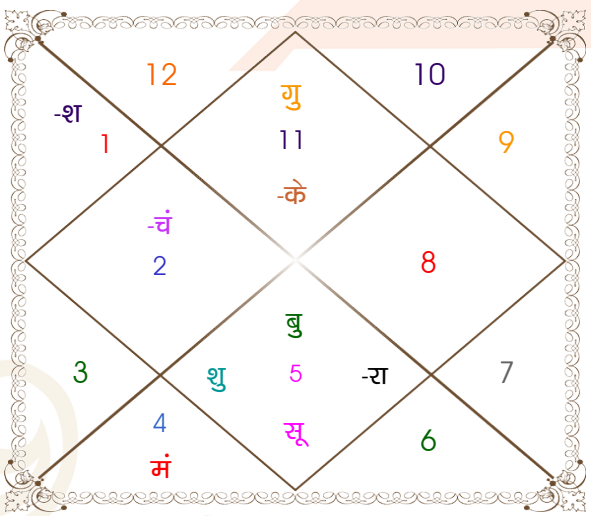

लग्न-चलित

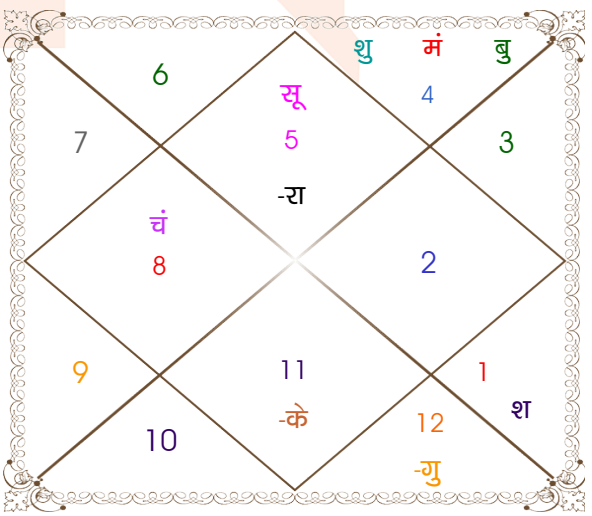

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

डतण ।कपजलौंतउं का वर्ग गरूड़ है तथा डेण ।लनेीममौंतउं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।कपजलौंतउं और डेण ।लनेीममौंतउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।कपजलौंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डेण ।लनेीममौंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण ।लनेीममौंतउं कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण ।लनेीममौंतउं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण्।कपजलौंतउं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्।कपजलौंतउं तथा डेण्।लनेीममौंतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।